आदि वाणी: जनजातीय भाषाओं के लिये AI अनुवादक

[स्रोत: द हिंदू](#)

केंद्र सरकार **आदि वाणी**, एक AI-आधारित अनुवाद ऐप, का बीटा संस्करण लॉन्च करने जा रही है, जिसका उद्देश्य जनजातीय ज़िलों में संचार और क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना है।

- **उद्देश्य:** हिंदी, अंग्रेज़ी व छह आदिवासी भाषाओं: भीली, मुंडारी, गोंडी, संताली, कुई और गारो के बीच भाषण तथा पाठ का अनुवाद करना।
- **लक्षित उपयोग:** इसे [आदि कर्मयोगी](#) के माध्यम से परखा जाएगा, जो जनजातीय ज़िलों में क्षमता निर्माण की एक राष्ट्रीय पहल है, जो 1 लाख गाँवों और 20 लाख स्वयंसेवकों को शामिल करती है।

BHASHINI (भारत के लिये भाषा इंटरफेस-BHASHa INterface for India)

- [राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन](#) के रूप में, [BHASHINI](#) को **डिजिटल इंडिया** के तहत लागू किया गया है। यह **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** और **प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP)** का उपयोग करके डिजिटल सामग्री व सेवाओं को कई भारतीय भाषाओं में सुलभ बनाता है।
  - इसे **इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्रालय** के अंतर्गत **डिजिटल इंडिया BHASHINI प्रभाग** द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
- **उद्देश्य:** डिजिटल समावेशन और सुगम्यता को बढ़ावा देते हुए 22 **से अधिक भारतीय भाषाओं** में अनुवाद प्रदान करना। BHASHINI का उद्देश्य भारत के सभी भाषाई क्षेत्रों में डिजिटल सामग्री और सेवाओं तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाना है।
- **अनुप्रयोग:** पाठ, वीडियो, दस्तावेज़, वेब सामग्री और वास्तविक समय भाषण का अनुवाद सक्षम करता है, जिससे बहुभाषी पहुँच तथा समावेशिता सुनिश्चित होती है।
- **सरकारी प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण:** शिक्षा सामग्री अनुवाद के लिये इसे [ई-श्रम](#), ई-[ग्राम स्वराज](#), [केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (CPGRAMS)](#), [अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE)](#) और [विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC)](#) के साथ एकीकृत किया गया है।

और पढ़ें: [डिजिटल इंडिया भाषिनी](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aadi-vaani-ai-translator-for-tribal-languages